

**Awareness Program on Forest Rights and
Environmental Conservation**
(Series of Programs covering 10 Gram Panchayats
and 20 villages)

Date: 13 June, 2025 to 30 June 2025

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा, जिला-कोरबा (छ0ग0)

क्रमांक/नस्ती क-54/वन अधि./2025-26/
प्रति.

774

कोरबा, दिनांक 12.6.25

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जनपद पंचायत पाली

जिला-कोरबा (छ.ग.)

विषय:- वन अधिकार अधिनियम, 2006 अंतर्गत जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण के संबंध में।

—00—

विषयांतर्गत वन अधिकार अधिनियम 2006, संशोधित नियम 2007 यथा संशोधित नियम 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वन अधिकार से संबंधित जानकारीयां ग्राम स्तर पर प्रसारित करने हेतु पंचायत स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों (सरपंच एवं सचिवों) एवं ग्रामवासियों को वन अधिकार से संबंधित विस्तृत जानकारी, शंका समाधान एवं त्रुटि रहित दावा तैयार करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

अतः आपके विकासखण्ड अंतर्गत निम्नानुसार ग्रामों में जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण का आयोजन लोक शक्ति समाजसेवी संस्था की कार्यकर्ता सुश्री विपाशा पॉल द्वारा की जानी है। जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों (सरपंच एवं सचिव) एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुये आवश्यक सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें। जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण की तिथि से सुश्री विपाशा पॉल द्वारा दिनांक 13.06.2025 से 30.06.2025 के मध्य पृथक अवगत कराया जायेगा। चयनित ग्रामों की सूची निम्नानुसार है :-

क्र.	वि.ख. का नाम	ग्राम का नाम	पंचायत का नाम	प्रशिक्षण हेतु भवन	विषय
1	2	3	4	5	6
1	पाली	कपोट, सोनारडीह, हाथीवाडी	कपोट	पंचाय भवन कपोट	जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण
2	पाली	पटपरा, भोड़कछार	पटपरा	पंचाय भवन पटपरा	
3	पाली	बाईसेमर, पहाड़गांव, केरामुड़ा	पहाड़गांव	पंचाय भवन पहाड़गांव	
4	पाली	अलगीडॉड, बगधरीडॉड	अलगीडॉड	पंचाय भवन अलगीडॉड	
5	पाली	पोटापानी	पोटापानी	पंचाय भवन पोटापानी	
6	पाली	डुमर कछार	डुमर कछार	पंचाय भवन डुमर कछार	
7	पाली	घुईचुवा, लाफा, घुईचुवा छूरी	कांजीपानी	पंचाय भवन कांजीपानी	
8	पाली	भरुवामुड़ा, दर्सीमुड़ा	भरुवामुड़ा	पंचाय भवन भरुवामुड़ा	
9	पाली	बारीउमराव, सुरका, लीमपानी, जलहल,	बारीउमराव	पंचाय भवन बारीउमराव	
10	पाली	तिलाईकुण्डी, ईरफ	ईरफ	पंचाय भवन ईरफ	

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

कोरबा, दिनांक 12.6.25

पृ0 क्रमांक/नस्ती क-54/वन अधि./2025-26/
प्रतिलिपि:-

775

- स्टेनो टू कलेक्टर, जिला कोरबा की ओर सादर सूचनार्थ।
- अनुभागीय अधिकारी पाली, जिला-कोरबा को सूचनार्थ।
- सुश्री विपाशा पॉल स्वयं सेवी कार्यकर्ता विकास खण्ड-पाली जिला-कोरबा (छ.ग.) को आप उपरोक्त ग्रामों प्रशिक्षण की तिथि से संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवगत कराते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करें।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा

/D/banjare/

कार्यालय जनपद पंचायत-पाली, जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)

क्र. 1408/वन अधि०/ज.पं./2025-26
प्रति,

पाली, दिनांक 12/06/2025

सरपंच/सचिव

ग्राम पंचायत कपोट, पटपरा, पहाड़गांव, अलगीडांड, पोटापानी, डूमरकछार,
कांजीपानी, चैतमा, बारीउमराव एवं ईरफ।

जनपद पंचायत पाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

विषय :- वन अधिकार अधिनियम, 2006 अंतर्गत जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण आयोजन बाबत।
संदर्भ :- कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा का पत्र क्रमांक/नस्ती क्र.-54/वन अधि.
/2025-26/774

-:00:-

उपरोक्त संदर्भित पत्रानुसार वन अधिकारी अधिनियम 2006, संशोधित नियम 2007 यथा संशोधित नियम 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वन अधिकार से संबंधित जानकारीयां ग्राम स्तर पर प्रसारित करने हेतु पंचायत स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों (सरपंच एवं सचिव) एवं ग्रामवासियों को वन अधिकार से संबंधित विस्तृत जानकारी, शंका समाधान एवं त्रुटि रहित दावा तैयार करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इस हेतु आपके ग्राम पंचायत में जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण का आयोजन लोक शक्ति समाजसेवी संस्था सुश्री विपाशा पॉल द्वारा निम्नानुसार की जायेगी।

क्र.	ग्राम का नाम	ग्राम पंचायत	प्रशिक्षण हेतु नियत दिनांक एवं स्थान
1.	पहाड़गांव, बाईसेमर एवं केरामुड़ा	पहाड़गांव	13 जून, 2025 पंचायत भवन
2.	बारीउमराव, लीमपानी, सुरका, जलहल	बारीउमराव	15 जून, 2025 पंचायत भवन
3.	अलगीडांड, बगधारीडांड	अलगीडांड	17 जून, 2025 पंचायत भवन
4.	कपोट, हाथीबाड़ी, सोनारडीह	कपोट	20 जून, 2025 पंचायत भवन
5.	पोटापानी	पोटापानी	22 जून, 2025 पंचायत भवन
6.	डूमरकछार	डूमरकछार	23 जून, 2025 पंचायत भवन
7.	पटपरा, भोंडकछार	पटपरा	25 जून, 2025 पंचायत भवन
8.	ईरफ, तिलईकुण्डी	ईरफ	26 जून, 2025 पंचायत भवन
9.	कांजीपानी, घुइचुवा (लाफा और छूरी)	कांजीपानी	28 जून, 2025 पंचायत भवन
10.	भरहामुड़ा, दर्मीमुड़ा	चैतमा	30 जून, 2025 पंचायत भवन

अतः उक्त कार्यक्रम अनुसार ग्रामवासियों को जन-जागरूकता शिविर एवं प्रशिक्षण में उपस्थित कराना सूनिश्चित करें।

मुख्य कर्मचारी अधिकारी
जनपद पंचायत पाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

पाली, दिनांक 12/06/2025

पृ. क्र./1409 /वन अधि०/ज.पं./2025-26
प्रतिलिपि :-

1. कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास) जिला कोरबा(छ0ग0) की ओर सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
2. अनुविभागीय अधिकारी,(रा0) पाली को सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
3. सुश्री विपाशा पॉल स्वयं सेवी कार्यकर्ता विकासखण्ड-पाली को सूचनार्थ।

मुख्य कर्मचारी अधिकारी
जनपद पंचायत पाली
जिला-कोरबा (छ.ग.)

Awareness Program on Forest Rights and Environmental Conservation

(Series of Programs covering 10 Gram Panchayats and 20 villages)

Date of Report: 05 July 2025

Program Duration: 13 June – 30 June 2025

Location: 22 villages across Pali Block, District Korba

Joint Efforts with Tribal Welfare Department for organizing Forest Rights and Community Empowerment Awareness Program:

To ensure effective implementation of the Forest Rights Act, 2006 — particularly for the recognition of Community Forest Resource Rights (CFRR) — active coordination with the District Collector and Tribal Welfare Department of Korba district has been prioritized. The following efforts have been undertaken in this regard:

1. Formal Communication and Representation:
 - Official letters and representation have been submitted to the District Collector and the Tribal Welfare Officer, highlighting the current status of CFR claims, challenges at the village level, and the need for district-level facilitation.
 - Requests have been made to convene meetings of the District Level Committee (DLC) for timely review and approval of CFR claims.
2. Joint Planning Meetings:
 - Coordination meetings were initiated with key officials of the Tribal Welfare Department to align strategies for capacity building of Forest Rights Committees (FRCs) and awareness generation among Gram Sabhas.
 - Efforts were made to involve the Sub-Divisional Level Committee (SDLC) and district-level nodal officers in technical and procedural support for claim processing.
3. Awareness and Training Support:
 - Proposals were submitted to jointly organize training programs and awareness camps at the block and panchayat levels with support from the Tribal Welfare Department and the District Collector.

1. Objective of the Program

The primary objective of the awareness program was:

- To spread awareness among tribal and forest-dependent communities about their legal entitlements under the Forest Rights Act, 2006.
- To promote the importance of environmental conservation and community-led forest management.
- To empower local Gram Sabhas to initiate and manage the process of forest rights claims.
- To support FRCs in the Community Forest Resource Rights claim filing and documentation process.
- To create a participatory environment for effective claim preparation and submission.

In order to ensure effective dissemination of information related to the Forest Rights Act, 2006 and to strengthen community participation in the recognition of forest rights, collaborative efforts are being made with the **Tribal Welfare Department** to conduct widespread awareness programs across tribal-dominated regions.

These joint initiatives are focused on the following key areas:

1. Coordinated Planning and Execution

Meetings and coordination sessions are being held regularly with officials from the Tribal Welfare Department to plan and execute awareness activities in a structured manner. A joint calendar of awareness events, village-level campaigns, and capacity-building workshops has been developed to ensure wider outreach.

2. Mobilizing Government and Community Resources

The Tribal Welfare Department provides valuable institutional support including access to schools, community halls, and local government offices to organize events efficiently.

3. Targeted Outreach to Vulnerable Communities

Through this joint effort, special attention is given to reaching Birhor Community, particularly vulnerable tribal groups (**PVTGs**), women, and youth who often remain unaware of their rights under the Act. Mobile awareness vans, pamphlets and handouts are used to maximise impacts.

3. Joint Training of Frontline Workers

Training programs are conducted jointly for Forest Rights Committee (FRC) members, forest guards, patwaris, and tribal development officers to ensure uniform understanding of the FRA provisions and roles of different departments.

4. Community Meetings:

Village-level public meetings are being jointly organized where representatives from both the Forest Department and the Tribal Welfare Department engage directly with the community. These sessions help in building trust and answering queries related to community and individual forest rights.

5. Discussion on Convergence:

These programs also aim at promoting convergence between the **Forest Rights Act** and other tribal welfare schemes such as housing, livelihoods, education, and healthcare. Awareness programs are used as platforms to link communities with broader development opportunities.

2. Coverage Area:

The programs were conducted in following Panchayats covering 22 villages:

1. Pahadgaon Panchayat (Pahadgaon, Baisemar and Keramuda village)
2. Bariumrav Panchayat (Bariumrav, Leempani and Surka village)
3. Algidand Panchayat (Algidand and Bagdharidand village)
4. Kapot (Hathibadi, kapot and Sonardih village)
5. Potapani Panchayat (Potapani)
- 6, Dumarkachaar Panchayat (Dumarkachaar)
7. Patrapara Panchayat (Patpara, Bhondkachaar village)
8. Iraf (Iraf, Tilaikundi village)
9. Kanjipani (Kanjipani, Ghuchuva lafa and churi village)
10. Chaitma Panchayat (Bharuwamuda, Darrimuda village)

3. Program Methodology

Each awareness program followed a standardized format with flexibility for local adaptation:

- Pre-program coordination with Panchayat officials, FRC members, and local leaders.
- Engagement of resource persons from the Tribal Welfare Department, Forest Department and local public representatives Janpad Members.
- Sessions conducted in local dialects (Chhattisgarhi/Gondi) for better understanding.
- Distribution of booklets, pamphlets, and FRA guidelines in simple language.
- Special focus on women's participation and youth engagement.

4. Key Activities Conducted

a. Interactive Sessions on FRA Provisions

- Explanation of Individual Forest Rights (IFR), Community Forest Rights (CFR), Community Forest Resource Rights (CFRR) and governance mechanisms.
- Step-by-step guidance on the claim process, role of FRCs, and required documentation.

b. Environment Conservation Workshops

- Discussion on traditional ecological knowledge, importance of forests for livelihoods and climate.
- Sessions on afforestation, soil-water conservation, and sustainable harvesting of forest produce.

c. Success Story Sharing

- Presentations by communities from nearby areas who had successfully received CFR titles.

d. Discussion on Traditional boundary and mapping

- Village-level mapping of customary forest boundaries had been a very important part of discussion
- Discussion on border disputes while determining the traditional boundary of village
- Discussion on forest compartment and beat in villages and studying the available maps for clearing the border disputes
- Awareness on the role of maps in CFR claims.

e. Discussion in issues related to delay in IFR recognition

- Pendency of IFR claims for more than 3 years in almost all villages
- The area for which titles has been received under IFR are also very less compared to the area people filed their claim for. Due to lack of awareness no one filed appeal in this matter yet in any of the villages.

- Discussion on formal documents and historical evidences required to prove occupation on the land.
- Lack of formal and historical land record make claim and recognition of IFR difficult for OTFDs.
- Discussion on emphasizing more on CFRR can help securing the land rights even if IFR has not been received for the land.

Activity	Details
Number of Villages Covered	22 villages
FRC Meetings Conducted	5 meetings
Awareness Programs Held	10 programs
Participants Reached	~700 individuals (including women, elders, youth, PRI members)
IEC Materials Distributed	500+ pamphlets and booklets on FRA & CFR

6. Impact and Outcomes

- More than 700 community members actively participated, including FRC members, SHG women, youth, and Panchayat leaders.
- Improved understanding of legal rights and processes among tribal residents.
- 8 villages out of 7 Panchayats decided to initiate or reactivate the CFRR claim process post-program.
- Renewed focus on village-level forest protection plans and community patrolling practices.
- Increased access to line departments is helping to move ahead in a coordinated way.

7. Conclusion

The awareness program series has laid a strong foundation for rights recognition and forest protection in the 10 Gram Panchayats of Pali block. Continued engagement and institutional support will be essential to translate awareness into action, particularly in securing CFRR rights and promoting community-led forest governance.



Awareness Program in Pahadgaon Panchayat addressed by FRC Chairman and Beat Guard



Awareness Program in Bariumrav



Awareness Program in Alagidand Panchayat



Awareness Program in Kapot Panchayat



Awareness Program in Potapani Panchayat



Awareness Program in Dumarkachhar



Awareness Program in Patpara Panchayat



Awareness Program in Iraf panchayat



Awareness Program in Kanjipani Panchayat



Awareness Program in Bharuhamuda Village